दैनिक हिन्दी समाचार पत्र

# जिला नज़र

नजरिया सच का ...

UPHIN/25/A3912

आगरा, सोमवार, 2 मार्च 2026, विक्रम सम्वत- 2082, फाल्गुन मास, नक्षत्र -पुष्य, पक्ष- शुक्ल पक्ष, तिथि - चर्तुदशी, वर्ष -01, अंक 01, पृष्ठ-8, मूल्य - दो रुपए

आगरा, अलीगढ़, झांसी, बस्ती, कानपुर से एक साथ प्रकाशित

खिलते हुए गुलाब के लाखों थे तलबगार ,
मुरझा गया तो पाँव से ठुकरा दिया गया।।
- नरेंद्र शर्मा "नरेंद्र"

# खामेनेई की शहादत की खबर पर यूपी में बवाल

## लखनऊ-संभल में प्रदर्शन, योगी सरकार ने पूरे प्रदेश में हाई अलर्ट जारी किया

नई दिल्ली

ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की 'शहादत' की खबर ने उत्तर प्रदेश के शिया बाहुल्य इलाकों में गहरा आक्रोश पैदा कर दिया है। इजराइल और अमेरिका के संयुक्त हमलों में खामेनेई की मृत्यु के बाद लखनऊ और संभल समेत कई जिलों में लोग सड़कों पर उतर आए हैं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार सुबह उच्च स्तरीय बैठक कर पूरे प्रदेश में हाई अलर्ट जारी कर दिया है। राजधानी लखनऊ का ऐतिहासिक चौक इलाका रविवार को विरोध प्रदर्शनों का मुख्य केंद्र बन गया। यहाँ सुबह

से ही शिया समुदाय के हजारों लोग जमा होने शुरू हो गए और इजराइली सैन्य कार्रवाई के खिलाफ अपना कड़ा विरोध दर्ज कराया। स्थानीय पुलिस ने चौक की ओर जाने वाले कई रास्तों को सुरक्षा के लिहाज से बंद कर दिया है और चप्पे-चप्पे पर पीएसी की तैनाती की गई है। पुराने लखनऊ में शोक का माहौल ऐसा था कि हजारों की संख्या में लोगों ने छोटा इमामबाड़ा से लेकर बड़ा इमामबाड़ा तक एक विशाल पैदल मार्च निकाला। इस मार्च में न केवल पुरुष, बल्कि काले लिबास में महिलाएं और मासूम बच्चे भी शामिल हुए, जो अयातुल्ला खामेनेई की तस्वीर लेकर मातम मना रहे थे। इमामबाड़ों के आसपास सुरक्षा व्यवस्था को अभेद्य कर दिया गया है। विरोध मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों का गुस्सा सातवें आसमान पर था। पूरी भीड़ ने एक स्वर में 'अमेरिका मुर्दाबाद' और 'इजराइल मुर्दाबाद' के जोरदार नारे लगाए, जिससे पूरा इलाका गूंज उठा। प्रदर्शनकारियों ने इन हमलों को अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन और मानवता के खिलाफ अपराध बताया है।

## छोटी खबरें

### आज से करोड़ों लोगों का व्हाट्सएप होगा बंद

**नई दिल्ली।** आज से भारत में करोड़ों व्हाट्सएप यूजर्स का अकाउंट बंद हो सकता है, क्योंकि दूरसंचार विभाग के नए SIM बाइंडिंग नियम लागू हो गए हैं। नवंबर 28 को जारी इस आदेश की डेडलाइन 28 फरवरी तक थी, और अब कोई एक्सटेंशन नहीं दिया गया। नियम के तहत, व्हाट्सएप, टेलीग्राम जैसे मैसेंजर ऐप्स केवल तब काम करेंगे जब रजिस्टर्ड SIM कार्ड फोन में मौजूद और एक्टिव हो। यदि SIM निकाल दिया या स्वैप किया, तो ऐप काम करना बंद कर देगा। भारत में करीब 85 .3 करोड़ व्हाट्सएप यूजर्स हैं, और बहुत से लोग लिंक्ड डिवाइस फीचर से एक से ज्यादा स्मार्टफोन या वेब/डेस्कटॉप पर ऐप चलाते हैं। ऐसे यूजर्स सबसे ज्यादा प्रभावित होंगे, क्योंकि वेब सेशंस हर छह घंटे में ऑटोमैटिक लॉगआउट हो जाएंगे। सरकार का कहना है कि यह नियम साइबर फ्रॉड और मिसयूज रोकने के लिए है। यूजर्स को सलाह दी जा रही है कि अपना SIM प्राइमरी डिवाइस में रखें और री-वेरिफाई करें। यह बदलाव डिजिटल सिक्योरिटी को मजबूत करेगा, लेकिन रोजमर्रा की सुविधा पर असर डालेगा।

### पंजाब में धर्म परिवर्तन पर अमित शाह ने जताई चिंता

**मुंबई।** केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को नवी मुंबई के खारघर में आयोजित 'हिंद-दी-चादर' कार्यक्रम में शिरकत की। यह कार्यक्रम गुरु तेग बहादुर की 350वीं शहादत वर्षगांठ के मौके पर रखा गया था। इस दौरान अमित शाह ने पंजाब में हो रहे धर्म परिवर्तन पर गहरी चिंता जताई। उन्होंने भगवंत मान सरकार और पंजाब के आम लोगों से अपील की कि वे लालच से प्रेरित इस प्रथा को तुरंत रोकें। शाह ने कहा कि गुरु तेग बहादुर ने दूसरों के धर्म की रक्षा के लिए अपना बलिदान दिया था। उन्होंने बहुत अत्याचार सहे लेकिन कभी झुके नहीं। गृह मंत्री ने जोर देकर कहा कि अगर आज हम किसी लालच में आकर अपना धर्म बदलते हैं, तो हम अपने महान गुरुओं के सच्चे अनुयायी नहीं कहला सकते। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार और वहां के हर धर्म के लोगों को मिलकर इस धर्म परिवर्तन को रोकना चाहिए। अपने संबोधन में शाह ने कहा, अगर गुरु तेग बहादुर ने हिंदू धर्म को बचाने के लिए अपनी कुबानी न दी होती, तो आज दुनिया में एक भी हिंदू नहीं बचता।

## ईरान में अमेरिकी हमले के दौरान तीन सैनिकों की मौत

**तेहरान/वाशिंगटन:** ईरान के खिलाफ चल रहे सैन्य अभियान में अमेरिकी सेना को बड़ा झटका लगा है। अभियान के दौरान तीन अमेरिकी सैनिकों की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य गंभीर रूप से घायल हुए हैं। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी आधिकारिक पुष्टि की है। कमांड के अनुसार, यह घटना ईरान की सीमा क्षेत्र में हुई, जहां अमेरिकी सैनिकों पर अचानक हमला किया गया। घायल सैनिकों का इलाज नजदीकी सैन्य अस्पताल में जारी है, और उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। यह घटना इजराइल और ईरान के बीच चल रहे संघर्ष का हिस्सा है, जो पिछले कुछ महीनों में तेजी से बढ़ा है। इजराइल की ओर से ईरान पर किए गए हमलों के जवाब में ईरान ने मिसाइल दागे, जिससे दोनों पक्षों में भारी नुकसान हुआ है। अब तक इस जंग में 200 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 700 से ज्यादा घायल हुए हैं।

## सेमीकॉन 2.0: भारत में अब चिप डिजाइन और डीप टेक स्टार्टअप्स पर होगा जोर

गांधीनगर

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रविवार को 'गुजरात सेमीकनेक्ट कॉन्फ्रेंस 2026' में देश के भविष्य को लेकर बड़ा रोडमैप पेश किया। उन्होंने कहा कि भारत का सेमीकंडक्टर मिशन अब अपने दूसरे चरण यानी 'सेमीकॉन 2.0' में प्रवेश कर रहा है। इस नए चरण का मुख्य फोकस डीप टेक स्टार्टअप्स को बढ़ावा देना और देश में एक मजबूत डिजाइन इकोसिस्टम तैयार करना है। अश्विनी वैष्णव ने बताया कि सेमीकॉन 1.0 का मुख्य लक्ष्य भारत में मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स लगाना था। सरकार को इसमें बड़ी सफलता मिली है। अब देश में कुल 10 प्लांट हैं। इनमें से पहले प्लांट ने कल से कमर्शियल उत्पादन शुरू कर दिया है और दूसरा प्लांट भी बहुत जल्द काम शुरू कर देगा। मंत्री ने कहा कि सेमीकॉन 2.0 पिछले चरण से काफी अलग होगा।

## पीएम मोदी ने दी करोड़ों की परियोजनाओं की सौगात

### कहा- रेल और सड़क मार्गों में हुआ ऐतिहासिक परिवर्तन

मदुरै

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को तमिलनाडु के मदुरै में एक सभा को संबोधित किया। पीएम नरेंद्र मोदी ने तमिलनाडु में चल रहे विकास कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि पिछले दशक में भारतीय रेलवे ने एक ऐतिहासिक परिवर्तन देखा है, जिसका प्रभाव विशेष रूप से तमिलनाडु में स्पष्ट है।

उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में रेलवे बजट आवंटन में नौ गुना वृद्धि हुई है, 1300 किलोमीटर से अधिक नई रेलवे लाइनें बिछाई गई हैं, 97% विद्युतीकरण हासिल किया गया है, और सैकड़ों फ्लाईओवर व अंडरपास का निर्माण किया गया है, जिससे सुरक्षा और दक्षता में सुधार हुआ है। पीएम मोदी ने यह भी बताया कि पिछले 12 वर्षों में भारत सरकार ने तमिलनाडु के राजमार्ग नेटवर्क में भारी निवेश किया है। 2014 से यहां 4,000 किलोमीटर से अधिक राजमार्गों का निर्माण किया गया है। दो प्रमुख राजमार्ग परियोजनाओं की आधारशिला रखते हुए उन्होंने कहा कि यह तीर्थयात्रियों के लिए यात्रा को सुगम बनाएगा और कृषि उपज तथा समुद्री उत्पादों के सुचारू आवागमन को सुनिश्चित करेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कुल मिलाकर 4400 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन कर राष्ट्र को समर्पित किया गया है। इन परियोजनाओं से कनेक्टिविटी में क्रांति आएगी, अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा, रोजगार सृजित होंगे और लाखों लोगों के जीवन में परिवर्तन आएगा।

## संपादकीय

### विवेक ही सबसे बड़ा हथियार

पश्चिम एशिया एक बार फिर अशांत है। अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर की गई समन्वित सैन्य कार्रवाई ने पूरे क्षेत्र को अस्थिरता की दहलीज पर ला खड़ा किया है। यह केवल एक देश पर हमला नहीं, बल्कि क्षेत्रीय संतुलन को झकझोर देने वाली घटना है। प्रश्न उठता है कि क्या यह कदम वास्तव में परमाणु खतरे को रोकने के लिए उठाया गया है, या फिर बदलते वैश्विक समीकरणों के बीच राजनीतिक प्रभाव स्थापित करने की रणनीति है? तेहरान पर सीधे प्रहार और नेतृत्व को निशाना बनाने के संकेत इस संघर्ष को सीमित दायरे से बाहर ले जाते हैं। यह शक्ति प्रदर्शन का स्पष्ट संकेत है। किंतु इतिहास बताता है कि बाहरी हस्तक्षेप से उपजी अस्थिरता प्रायः दीर्घकालिक संकट में बदल जाती है। इराक और अफगानिस्तान के अनुभव आज भी विश्व राजनीति को सावधान करते हैं कि युद्ध समाधान नहीं, बल्कि नई समस्याओं का द्वार खोलता है। ईरान की प्रतिक्रिया भी आक्रामक रुख दर्शा रही है। क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाने की चेतावनी और खाड़ी देशों तक मिसाइल क्षमता का प्रदर्शन यह स्पष्ट करता है कि संघर्ष सीमित नहीं रहेगा। यदि खाड़ी राष्ट्र भी सीधे युद्ध में उतरते हैं, तो यह टकराव व्यापक रूप ले सकता है। ऐसी स्थिति में समुद्री मार्गों, तेल आपूर्ति और सामरिक जलडमरूमध्यों पर गंभीर खतरा उत्पन्न होगा। सबसे अधिक चिंता होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर है, जहाँ से विश्व की बड़ी मात्रा में तेल आपूर्ति गुजरती है। यदि वहाँ अवरोध पैदा होता है, तो तेल कीमतों में तेज उछाल आएगा। इसका प्रभाव केवल बाजार तक सीमित नहीं रहेगा; विकासशील देशों की अर्थव्यवस्थाएँ हिल जाएँगी। भारत जैसे आयात-निर्भर राष्ट्रों के लिए यह स्थिति महंगाई, राजकोषीय दबाव और आर्थिक अस्थिरता को जन्म दे सकती है।

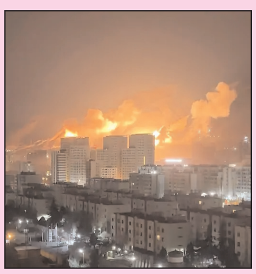

ऊर्जा सुरक्षा आज राष्ट्रीय स्थिरता का अभिन्न अंग बन चुकी है। इस संकट का मानवीय पक्ष भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। हवाई क्षेत्र बंद होने और उड़ानों के रद्द होने से लाखों प्रवासी प्रभावित हो रहे हैं। पश्चिम एशिया में बसे भारतीयों की सुरक्षा भारत के लिए केवल कूटनीतिक प्रश्न नहीं, बल्कि नैतिक दायित्व है। ऐसे समय में संयमित और सक्रिय कूटनीति की आवश्यकता है। सबसे गंभीर संकेत यह है कि विश्व शक्तियाँ अलग-अलग खेमों में बँटती दिखाई दे रही हैं। यदि यह संघर्ष लंबा खिंचता है और अन्य देश खुलकर पक्ष लेने लगते हैं, तो यह बहुध्रुवीय टकराव का रूप ले सकता है। भले ही विश्व युद्ध शब्द अभी अतिशयोक्ति लगे, पर ऊर्जा, अर्थव्यवस्था और सामरिक गठबंधनों पर पड़ने वाला प्रभाव इसे वैश्विक संकट बना सकता है। ऐसे समय में शक्ति प्रदर्शन नहीं, बल्कि संयम, संवाद और कूटनीतिक साहस की आवश्यकता है। युद्ध तात्कालिक बढ़त दे सकता है, पर स्थायी शांति का मार्ग नहीं प्रशस्त करता। भारत को संतुलित, दृढ़ और दूरदर्शी नीति अपनाते हुए अपने राष्ट्रीय हितों, ऊर्जा सुरक्षा और नागरिकों की रक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी। वर्तमान परिस्थितियाँ हमें यह स्मरण कराती हैं कि युद्ध की आंधी में सबसे प्रभावी और स्थायी हथियार शस्त्र नहीं, बल्कि विवेक होता है। यदि वैश्विक नेतृत्व ने समय रहते संवाद का मार्ग नहीं चुना, तो इसकी कीमत पूरी मानवता को चुकानी पड़ सकती है।

# खामेनेई की शहादत: भारत के सच्चे मित्र का अंतिम सफर

डॉ. प्रियंका सौरभ

ईरानी राज्य मीडिया की घोषणा ने वैश्विक राजनीति को झकझोर दिया– सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई 28 फरवरी 2026 को तेहरान में हुए अमेरिका-इजरायल हवाई हमलों में मारे गए। यह घटना केवल ईरान के लिए नहीं, बल्कि पूरे पश्चिम एशिया और उससे जुड़े देशों के लिए गहरे प्रभाव वाली है। भारत के संदर्भ में यह क्षण विशेष रूप से संवेदनशील है, क्योंकि दोनों देशों के संबंध ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और सामरिक आधार पर विकसित हुए हैं।

भारत-ईरान संबंधों की जड़ें प्राचीन काल तक जाती हैं। सिंधु घाटी सभ्यता और फारस के बीच व्यापारिक संपर्क से लेकर आधुनिक काल में चाबहार बंदरगाह परियोजना तक, यह रिश्ता समय की कसौटी पर खरा उतरा है। 1950 के दशक में गुटनिरपेक्ष आंदोलन ने इसे औपचारिक आधार दिया। 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद भी उतार-चढ़ाव के बावजूद संवाद कायम रहा। 1989 से खामेनेई के नेतृत्व में ईरान की विदेश नीति में स्थिरता आई, जिसने भारत के साथ सहयोग को बनाए रखा।

कश्मीर मुद्दे पर संयुक्त राष्ट्र में ईरान का रुख भारत के लिए महत्वपूर्ण रहा। अनेक अवसरों पर उसने पाकिस्तान के प्रस्तावों का समर्थन नहीं किया। ऊर्जा क्षेत्र में भी ईरान लंबे समय तक भारत का प्रमुख आपूर्तिकर्ता रहा। 2005 से 2015 के बीच भारत के कच्चे तेल आयात का बड़ा हिस्सा ईरान से आता था। रियायती दरों और वैकल्पिक भुगतान व्यवस्थाओं ने भारत को आर्थिक लाभ पहुँचाया। 2023 में दोनों देशों के बीच व्यापार 2.5 अरब डॉलर के आसपास रहा, जिसमें भारत से चावल, चाय, दवाइयाँ और इंजीनियरिंग उत्पादों का निर्यात शामिल है। चाबहार बंदरगाह परियोजना इस संबंध का प्रतीक है। 2016 में आरंभ इस परियोजना ने भारत को अफगानिस्तान और मध्य एशिया तक वैकल्पिक मार्ग प्रदान किया। यह सामरिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे क्षेत्रीय संपर्क और व्यापार के नए अवसर खुलते हैं। खामेनेई के कार्यकाल में इस परियोजना को समर्थन मिला और इसे द्विपक्षीय सहयोग का आधार माना गया।

वर्तमान में ईरान गंभीर आर्थिक और राजनीतिक संकट से गुजर रहा है। अमेरिकी प्रतिबंधों, परमाणु समझौते की विफलता और क्षेत्रीय तनावों ने उसकी अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ाया है। मुद्रास्फीति और बेरोजगारी की ऊँची दरें आंतरिक असंतोष को बढ़ा रही हैं। खामेनेई की मृत्यु के बाद नेतृत्व परिवर्तन की प्रक्रिया शुरू होगी, जिसमें विशेषज्ञ परिषद की भूमिका निर्णायक होगी। यह चरण ईरान की आंतरिक स्थिरता और क्षेत्रीय संतुलन दोनों के लिए महत्वपूर्ण है। भारत ने अब तक संतुलित कूटनीति अपनाई है। एक ओर वह अमेरिका और इजरायल के साथ रणनीतिक साझेदारी बनाए हुए है, तो दूसरी ओर ईरान के साथ ऐतिहासिक संबंधों को भी कायम रखा है। शंघाई सहयोग संगठन और ब्रिक्स जैसे मंचों पर सहयोग, तथा ऊर्जा और संपर्क परियोजनाओं में सहभागिता इस संतुलन का प्रमाण हैं। वर्तमान परिस्थिति में भारत के सामने चुनौती यह है कि वह अपने राष्ट्रीय हितों, ऊर्जा सुरक्षा और प्रवासी नागरिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए विवेकपूर्ण निर्णय ले। आवश्यक है कि भारत चाबहार परियोजना को निरंतरता दे, नए ईरानी नेतृत्व से संवाद बनाए रखे और बहुपक्षीय मंचों पर क्षेत्रीय स्थिरता के पक्ष में सक्रिय भूमिका निभाए। पश्चिम एशिया की अस्थिरता का सीधा प्रभाव वैश्विक ऊर्जा बाजार और व्यापारिक मार्गों पर पड़ सकता है, जिसका असर भारत की अर्थव्यवस्था पर भी होगा।

यह समय भावनात्मक प्रतिक्रिया का नहीं, बल्कि संतुलित कूटनीतिक पहल का है। भारत को शांति, संवाद और अंतरराष्ट्रीय कानून के समर्थन में स्पष्ट रुख अपनाते हुए अपने दीर्घकालिक हितों की रक्षा करनी होगी। बदलते वैश्विक परिदृश्य में परिपक्व और दूरदर्शी नीति ही भारत की वास्तविक शक्ति सिद्ध होगी।

# क्या शिक्षा में न्यायपालिका का हस्तक्षेप उचित है?

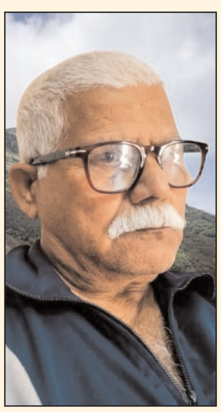

शंकर देव तिवारी

हाल के दिनों में शिक्षा और न्यायपालिका के संबंधों को लेकर एक महत्वपूर्ण प्रश्न राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में है। एनसीईआरटी द्वारा प्रकाशित कक्षा आठ की सामाजिक विज्ञान पुस्तक में हमारे समाज में न्यायपालिका की भूमिका शीर्षक अध्याय में न्यायपालिका में भ्रष्टाचार और लंबित मामलों का उल्लेख किए जाने पर सर्वोच्च न्यायालय ने आपत्ति जताई। मुख्य न्यायाधीश की यह टिप्पणी कि न्यायपालिका की गरिमा को आघात पहुँचाने की अनुमति नहीं दी जा सकती, संस्थागत सम्मान की रक्षा का संकेत है। इसके बाद संबंधित अध्याय को हटाने और पुस्तकों को वापस लेने का निर्णय लिया गया। यह घटनाक्रम एक व्यापक प्रश्न उठाता है–क्या शिक्षा के क्षेत्र में न्यायपालिका का ऐसा हस्तक्षेप उचित है, या यह अकादमिक स्वतंत्रता की सीमा को प्रभावित करता है?

सबसे पहले यह स्वीकार करना होगा कि न्यायपालिका में लंबित मामलों की समस्या वास्तविक है। करोड़ों मुकदमे वर्षों से न्याय की प्रतीक्षा में हैं। कुछ अवसरों पर न्यायिक आचरण को लेकर भी प्रश्न उठे हैं। ये तथ्य सार्वजनिक विमर्श का हिस्सा रहे हैं। परंतु उतना ही सत्य यह भी है कि भारतीय न्यायपालिका ने समय-समय पर लोकतंत्र की रक्षा में ऐतिहासिक भूमिका निभाई है–मौलिक अधिकारों की सुरक्षा, जनहित याचिकाओं की परंपरा और कार्यपालिका पर नियंत्रण जैसे अनेक निर्णय इसकी प्रतिष्ठा के प्रमाण हैं। यहीं शिक्षा का दायित्व प्रारंभ होता है। बच्चों को केवल समस्याओं से परिचित कराना पर्याप्त नहीं; उन्हें संतुलित दृष्टि प्रदान करना भी आवश्यक है। यदि पाठ्यपुस्तक में केवल भ्रष्टाचार या विलंब का उल्लेख हो और उसके साथ न्यायपालिका की संरचना, संवैधानिक भूमिका और सुधार के प्रयासों का समुचित विवरण न दिया जाए, तो यह अधूरा चित्र प्रस्तुत करेगा। अधूरी जानकारी अक्सर अविश्वास को जन्म देती है। लोकतंत्र तीन स्तंभों–विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका–पर आधारित है। इन संस्थाओं के प्रति आलोचनात्मक दृष्टि लोकतांत्रिक संस्कृति का हिस्सा है, परंतु आलोचना और अवमूल्यन के बीच एक महीन रेखा होती है। बच्चों के मन में किसी संवैधानिक संस्था के प्रति पूर्वाग्रह उत्पन्न हो जाना दीर्घकाल में हानिकारक हो सकता है। वहीं दूसरी ओर, समस्याओं को छिपा लेना भी स्वस्थ परंपरा नहीं है। गरिमा और पारदर्शिता विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हैं।

इस संदर्भ में न्यायपालिका की प्रतिक्रिया को केवल हस्तक्षेप के रूप में नहीं, बल्कि संस्थागत संतुलन की चिंता के रूप में भी देखा जा सकता है। किंतु यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि शिक्षा के क्षेत्र में पाठ्यसामग्री के निर्माण की प्रक्रिया अधिक व्यापक और बहुस्तरीय हो। विधि विशेषज्ञों, शिक्षाशास्त्रियों, मनोवैज्ञानिकों और संपादकीय विशेषज्ञों के समन्वय से सामग्री तैयार हो, ताकि तथ्यात्मकता और शैक्षिक संतुलन दोनों सुनिश्चित हों। शिक्षा का उद्देश्य केवल सूचना देना नहीं, दृष्टि का निर्माण करना है। यदि छात्र यह जानें कि न्यायपालिका में लंबित मामले हैं, तो साथ ही यह भी समझें कि इसके समाधान के लिए न्यायिक सुधार आयोग, ई-कोर्ट प्रणाली और पारदर्शिता के प्रयास कैसे किए जा रहे हैं। उन्हें यह भी ज्ञात हो कि न्यायपालिका ने भ्रष्टाचार और सत्ता के दुरुपयोग के विरुद्ध निर्णायक भूमिका निभाई है। ऐसी संतुलित प्रस्तुति ही सजग नागरिक तैयार कर सकती है–न अंध-समर्थक, न अकारण आलोचक। यह विवाद हमें आत्ममंथन का अवसर देता है। क्या हमारी पाठ्यपुस्तक निर्माण प्रणाली में पर्याप्त समीक्षा तंत्र है? क्या संवेदनशील विषयों पर संवाद की संस्कृति विकसित हुई है? यदि नहीं, तो सुधार की आवश्यकता है।

अंततः प्रश्न केवल हस्तक्षेप का नहीं, संतुलन का है। लोकतंत्र की सच्ची शक्ति आलोचना और आत्मसुधार के समन्वय में निहित है। यदि शिक्षा में यह संतुलन प्रतिबिंबित हो, तो संस्थाओं की गरिमा भी सुरक्षित रहेगी और छात्रों में विवेकपूर्ण दृष्टि भी विकसित होगी। यही परिपक्व लोकतंत्र का मार्ग है।

## छोटी खबरें

### बेल्डिंग के दौरान गैस रिसाव से भीषण आग, कई वाहन जलकर खाक

जिला नजर संवाददाता

**फतेहाबाद/आगरा।** कस्बा के अवंती बाई चौक स्थित एक कार मैकेनिक गैरेज में रविवार दोपहर करीब 12 बजे बेल्डिंग के दौरान गैस रिसाव से भीषण आग लग गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार गैरेज में खड़ी एक ईको कार के पास बेल्डिंग का कार्य चल रहा था। इसी दौरान टैंक से गैस लीक होने पर चिंगारी भड़क उठी और आग ने विकराल रूप ले लिया। आग तेजी से फैलते हुए पास में खड़ी एक अन्य कार, एक वैन और एक बाइक को भी अपनी चपेट में ले लिया। घटना से क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। हादसे के समय गैरेज मालिक सनी और आमिर काम कर रहे थे। आग की चपेट में आने से सनी का चेहरा तथा आमिर का हाथ झुलस गया। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए दोनों को बाहर निकाला। सूचना पर पहुंची पुलिस और फायर ब्रिगेड ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। समय रहते नियंत्रण न होता तो आसपास की दुकानों को भी नुकसान हो सकता था। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

# ऑनलाइन कारोबार के विरोध में व्यापारियों का प्रदर्शन, देशव्यापी आंदोलन की चेतावनी

**आगरा में केंद्रीय राज्य मंत्री प्रो. एस.पी. सिंह बघेल को सौंपा प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन**

जिला नजर संवाददाता

**आगरा।** ऑनलाइन कारोबार के बढ़ते प्रभाव के विरोध में उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल ने देशभर में अभियान चलाने की घोषणा की है। इसी क्रम में आगरा महानगर इकाई के पदाधिकारियों ने केंद्रीय राज्य मंत्री प्रो. एस.पी. सिंह बघेल से मुलाकात कर प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा।

व्यापार मंडल के अध्यक्ष टी.एन. अग्रवाल और वरिष्ठ उपाध्यक्ष जय पुरसनानी के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री से आग्रह किया कि वे ज्ञापन को शीघ्र प्रधानमंत्री तक पहुंचाएं। व्यापारियों का कहना है कि बहुराष्ट्रीय कंपनियों और बड़े उद्योगपतियों द्वारा संचालित ऑनलाइन कारोबार के कारण फुटकर विक्रेताओं और छोटे व्यापारियों के सामने गंभीर संकट खड़ा हो गया है। उनका आरोप है कि भारी छूट और आक्रामक ऑनलाइन बिक्री के चलते स्थानीय बाजारों में ग्राहकों की संख्या घट रही है। इससे छोटे दुकानदारों की आय प्रभावित हो रही है और अनेक परिवार

आजीविका संकट से जूझ रहे हैं। व्यापार मंडल ने मांग की है कि ऑनलाइन कारोबार पर सख्त नियमन लागू किया जाए या आवश्यक हो तो उस पर प्रतिबंध लगाया जाए, ताकि पारंपरिक खुदरा व्यापार को संरक्षण मिल सके।

प्रतिनिधिमंडल ने विधायक उत्तर श्री परषोतम खंडेलवाल को भी ज्ञापन सौंपा। इस अवसर पर कन्हैया लाल राठौर, जयप्रकाश अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, अशोक मंगवानी, नितेश अग्रवाल, राकेश बंसल और दुष्यंत गर्ग सहित कई व्यापारी उपस्थित रहे।

व्यापार मंडल ने चेतावनी दी है कि यदि मांगों पर कार्रवाई नहीं हुई, तो आंदोलन को राष्ट्रीय स्तर पर तेज किया जाएगा।

## फतेहपुर सीकरी पुलिस की सख्त कार्रवाई, अवैध पिस्टल संग युवक गिरफ्तार

जिला नजर संवाददाता

**फतेहपुर सीकरी/आगरा।** आगामी त्योहारों के मद्देनजर कानून-व्यवस्था सुदृढ़ बनाए रखने के लिए चलाए जा रहे सघन चेकिंग अभियान के तहत थाना फतेहपुर सीकरी पुलिस ने एक युवक को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 1 मार्च 2026 की रात पुलिस को सूचना मिली कि शाहकुली तिराहे के पास एक व्यक्ति कार में अवैध असलहे के साथ मौजूद है। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम मौके पर पहुंची और संदिग्ध व्यक्ति को हिरासत में लिया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से एक अवैध देशी पिस्टल (.32 बोर), आठ जिंदा कारतूस तथा एक स्विफ्ट कार बरामद की गई। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान धर्मेंद्र पुत्र निवासी लाल, ग्राम अरेहरा, थाना फतेहपुर सीकरी, जनपद आगरा के रूप में हुई है। बरामदगी के आधार पर अभियुक्त के विरुद्ध आर्म्स एक्ट की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस के अनुसार, अभियान का उद्देश्य क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखना और अवैध गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाना है। आगे की कार्रवाई नियमानुसार जारी

# फूलों की होली संग फाग गीतों की धूम परशुराम महासभा का भव्य होली मिलन

जिला नजर संवाददाता

**फतेहाबाद/आगरा।** भगवान परशुराम ब्राह्मण महासभा भारत के तत्वावधान में रविवार को शिव शक्ति गार्डन में होली मिलन समारोह हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में समाज के लोगों ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ होली मनाते हुए प्रेम, सद्भाव और सामाजिक समरसता का संदेश दिया।

समारोह का शुभारंभ भगवान परशुराम के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया गया। इसके पश्चात ब्रज के पारंपरिक फाग और रसिया गीतों की मधुर प्रस्तुतियों ने वातावरण को रंगमय बना दिया। गीत-संगीत की स्वर लहरियों पर उपस्थित लोग झूम उठे और पूरे परिसर में उत्साह का माहौल छा गया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण फूलों की होली रही। रंग-गुलाल के स्थान पर पुष्प वर्षा कर एक-दूसरे को चंदन का तिलक लगाया गया और गले मिलकर होली की शुभकामनाएं दी गईं। इस अनूठी होली ने सभी

का मन मोह लिया। राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनू शर्मा ने कहा कि होली समाज को एक सूत्र में पिरोने का पर्व है। प्रदेश अध्यक्ष रामनिवास समाधियां ने इसे सांस्कृतिक विरासत को सहेजने का माध्यम बताया। संयोजक प्रमोद रावत ने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में संगठन और आपसी विश्वास को मजबूत करते हैं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पंडित अशोक दीक्षित सहित शिवहरि मुद्गल, नरेंद्र शर्मा, मनोज शर्मा, इंद्रजीत शर्मा, नवल किशोर तिवारी, शिवकुमार शर्मा, रिंकू शर्मा, राकेश शर्मा, धीरज शर्मा, सुरेंद्र शर्मा सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

# थाना प्रभारी की अपील—प्रेम और सौहार्द के साथ मनाएं होली

**खेरागढ़ पुलिस ने गांव-गांव जाकर लिया व्यवस्थाओं का जायजा, शांति व्यवस्था के लिए अलर्ट मोड पर प्रशासन**

जिला नजर संवाददाता

**खेरागढ़/आगरा।** पुलिस कमिश्नर आगरा के निर्देशानुसार थाना प्रभारी खेरागढ़ मदन सिंह ने क्षेत्र के विभिन्न गांवों का दौरा कर होली पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने की अपील की। उन्होंने ग्राम पंचायत सालेहनगर के गांव बरवर पहुंचकर होलिका दहन के स्थान और समय की जानकारी ली तथा ग्रामीणों की समस्याएं भी सुनीं।

थाना प्रभारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि त्योहार के दौरान शराब पीकर वाहन न चलाएं, किसी के साथ जबरदस्ती या अभद्रता न करें और कपड़े फाड़ने जैसी असामाजिक हरकतों से दूर रहें। उन्होंने विशेष रूप से महिलाओं, बालिकाओं और बुजुर्गों की सुरक्षा पर जोर देते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ या

दुर्व्यवहार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। डीजे संचालकों को भी निर्धारित मानकों के अनुसार ही ध्वनि स्तर रखने और अश्लील या आपत्तिजनक गीत न बजाने की हिदायत दी गई। थाना प्रभारी ने बताया कि होली के दौरान सभी अधिकारी और कर्मचारी अलर्ट मोड पर रहेंगे। किसी भी आपात स्थिति या संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने का आग्रह किया गया। इस अवसर पर ग्रामीणों ने थाना प्रभारी एवं पुलिस स्टाफ को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं। थाना प्रभारी ने भी सभी क्षेत्रवासियों को प्रेम, भाईचारे और सामाजिक समरसता के साथ पर्व मनाने का संदेश दिया।

कार्यक्रम में चौकी इंचार्ज नीरज कुमार, एसआई प्रशांत चौधरी, ग्राम प्रधान कैलाश चंद्र, बीडीसी सोनू सिंह, दलेल सिंह, साहब सिंह सहित अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

# भूतेश्वर चौराहे पर महिला का हाई वोल्टेज ड्रामा, शराब के नशे में किया हंगामा

जिला नजर ब्यूरो चीफ

**मथुरा।** शहर के व्यस्त मथुरा के भूतेश्वर चौराहे पर शनिवार शाम उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब शराब के नशे में एक महिला ने बीच सड़क पर जमकर हंगामा किया। करीब डेढ़ घंटे तक चले इस हाई वोल्टेज ड्रामे को देखने के लिए मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई, जिससे यातायात भी प्रभावित हुआ।जानकारी के अनुसार थाना कोतवाली क्षेत्र की कृष्णा नगर चौकी अंतर्गत भूतेश्वर रोड पर शनिवार शाम लगभग 7 बजे एक महिला नशे की हालत में सड़क पर गाली-गलौज और अभद्र व्यवहार करने लगी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, महिला ने अचानक अपने कपड़े उतार दिए, जिससे वहां मौजूद राहगीरों

और स्थानीय लोगों को असहज स्थिति का सामना करना पड़ा।मौके से गुजर रही कुछ महिलाओं ने उसे शांत कराने का प्रयास किया, लेकिन महिला ने उनसे हाथापाई शुरू कर दी। हंगामे के कारण चौराहे पर वाहनों की लंबी कतार लग गई और स्थिति कुछ समय के लिए नियंत्रण से बाहर हो गई।सूचना मिलने पर पीआरबी और कृष्णा नगर चौकी पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिसकर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद महिला को काबू में लिया। इसके बाद उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, महिला ने करीब डेढ़ घंटे तक सड़क पर उत्पात मचाया, जिसके बाद पुलिस की कार्रवाई से हालात सामान्य हो सके। पुलिस मामले की जांच में जुटी है और आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

## छोटी खबरें

### मथुरा में ट्रेन में आग की अफवाह से हड़कंप, पहिए की चिंगारी निकली वजह

जिला नजर संवाददाता

**मथुरा।** कोटा से मां वैष्णो देवी धाम कटरा जा रही सुपरफास्ट ट्रेन में देर रात धुआं निकलने से यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। ट्रेन अझाई स्टेशन पार कर छाता की ओर बढ़ रही थी, तभी इ1 बोगी के पास धुआं दिखाई दिया। आग की आशंका से यात्री घबरा गए और ट्रेन रुकते ही कई लोग नीचे उतर आए। सूचना पर लोको पायलट ने रात 21:28 बजे ट्रेन को नरी सेमरी के पास रोक दिया। जांच में पता चला कि ब्रेक के पहिए से चिपक जाने के कारण अत्यधिक गर्मी से चिंगारी और धुआं निकल रहा था। तकनीकी खामी दूर करने के बाद करीब 27 मिनट पश्चात ट्रेन को 21:55 बजे सुरक्षित रवाना कर दिया गया। रेलवे अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि आग नहीं लगी थी और समय रहते कार्रवाई से बड़ा हादसा टल गया।

# लखनऊ में साधक इम्पैक्ट फाउंडेशन का छात्रवृत्ति सम्मान समारोह, मेधावी विद्यार्थियों को मिली सहायता

जिला नजर संवाददाता

**आगरा।** लखनऊ में साधक इम्पैक्ट फाउंडेशन द्वारा डॉ. अशोक भट्टाचार्य छात्रवृत्ति सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। यह छात्रवृत्ति एस.एन. मेडिकल कॉलेज के पूर्व छात्र डॉ. अशोक भट्टाचार्य की स्मृति में स्थापित की गई है, जिसका उद्देश्य मेधावी विद्यार्थियों को आर्थिक सहायता प्रदान कर शिक्षा को प्रोत्साहित करना है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक रहे, जिन्होंने चयनित विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान की। अपने संबोधन में उन्होंने डॉ. अशोक भट्टाचार्य के योगदान और प्रेरणादायक जीवन का उल्लेख करते हुए साधक इम्पैक्ट फाउंडेशन की पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में इस प्रकार के प्रयास समाज को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

इस वर्ष छात्रवृत्ति के लिए दो विद्यार्थियों का चयन किया गया– धौलपुर (राजस्थान) के रोगित चौहान और आगरा के डारकी निवासी मयंक त्यागी। प्रत्येक छात्र

को रु. 35,000 प्रतिवर्ष की छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। चयन प्रक्रिया पूर्णतः मेरिट आधारित रही, जिसमें 10वीं एवं 12वीं के अंक, नीट रैंक और अभिभावकों की आय को आधार बनाया गया। छात्रवृत्ति समिति ने पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ चयन सुनिश्चित किया। समारोह के दौरान प्रशांत गुप्ता ने मुख्य अतिथि को स्मृति-चिह्न और पुष्प भेंट कर आभार व्यक्त किया। उन्होंने साधक इम्पैक्ट फाउंडेशन की सराहना करते हुए कहा कि यह पहल डॉ. अशोक भट्टाचार्य की विरासत को आगे बढ़ाने और विद्यार्थियों को अवसर प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण है।

कार्यक्रम में वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी अवनीश अवस्थी ने प्रेरणादायक विचार व्यक्त किए। समापन सत्र में प्रसिद्ध लोक गायिका मालिनी अवस्थी ने अपने उद्बोधन से कार्यक्रम को गरिमामय बनाया। छात्रवृत्ति चयन प्रक्रिया का संचालन डॉ. दिव्या श्रीवास्तव (अध्यक्ष, फिजियोलॉजी विभाग) और डॉ. प्रदीप सिंह (सह आचार्य, एनाटॉमी विभाग) की छात्रवृत्ति समिति द्वारा किया गया। समिति ने बताया कि चयन पूरी तरह पारदर्शी और मेरिट आधारित रहा, जिससे योग्य विद्यार्थियों को सहायता मिल सके। यह कार्यक्रम शिक्षा और अवसर को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। साधक इम्पैक्ट फाउंडेशन ने भविष्य में भी ऐसे प्रयास जारी रखने की प्रतिबद्धता जताई है, ताकि अधिक से अधिक विद्यार्थियों को लाभ मिल सके।

## उपायुक्त पूर्वी के निर्देशन में जैतपुर पुलिस ने सुनीं जनता की समस्याएं

जिला नजर संवाददाता

**जैतपुर।** पुलिस कमिश्नरेट आगरा के पूर्वी जोन में जनसामान्य की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। उपायुक्त (पूर्वी) अभिषेक अग्रवाल के निर्देशन में रविवार को थाना जैतपुर परिसर में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। थानाध्यक्ष दीपक कुमार ने थाने पहुंचे फरियादियों की समस्याओं को व्यक्तिगत रूप से सुना और उनके प्रार्थना पत्रों पर तत्काल संज्ञान लिया। थानाध्यक्ष ने अधीनस्थ पुलिसकर्मियों को निर्देशित किया कि प्राप्त शिकायतों की मौके पर जाकर निष्पक्ष जांच की जाए और उनका गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि पुलिस का प्राथमिक लक्ष्य आमजन को समय पर न्याय दिलाना और उनकी समस्याओं का समाधान करना है।

# होली पर्व त्यौहार मोहब्बत के साथ खेलें हुड़दंग न करें : समाजसेवी इस्माइल

जिला नजर संवाददाता

**कागारौल/आगरा।** होली का त्यौहार जात, पाँत, वर्ग, उम्र को एक तराजू में तौलता है। इसके सात रंग, का हर एक एक रंग बोलता है। प्रेम, सौहार्द, सद्भावना, देशभक्ति तो रंग बरसे, भीगे चुनर वाली होली के रंगों का ये हुनर कान्हा और राधा बरसाने और अवध में खेलें रघुवीर। लाल, हरा, पीला, नीला, गुलाबी, सिंदूरी या बैंगनी सफेद रंग मिला लो और बना लो होली रंगीनी। इस पर्व पर विशेष ध्यान रखें सभी कि होली के रंग में भारत की करंसी नोटों को और मोबाइल को रंग से न बिगाड़े एवं भाईचारे से होली पर्व को मनायें, हुड़दंग न करें, न करने दें समाजसेवी इस्माइल, कागारौल सभी से अपील करता है। होली का रंग गुलाबी भा गया, फागुन का महीना आ गया, ब्रज में कान्हा धूम मचाए राधा के संग रास रचाए। सारी सखियां नाचे गाए, वृंदावन हमें धूम मचाए, मुरलीवाला नंद गोपाला झूमे देखो मन मतवाला, धानी चुनर पर रंग जो डाला हरा गुलाबी मुरली वाला। अबकी होली जो बरसे अबीरा कान्हा के संग हर्षे मीरा प्रेम रंग में भीगे तनमन जैसे मयूरा करते नित्यन भर पिचकारी रंग चुनरिया राधा रानी हुई बावरिया। इस अवसर पर मथुरा नगरी रंग गई सारी। ईश्वर आप सब को स्वस्थ, समृद्ध और सुखी बनाएँ रखे। मेरी प्रभु से प्रार्थना है कि इस होली पर आपके जीवन के तमाम अभाव, दिक्कतें, व्याधियाँ, आंधियाँ और परेशानियाँ होली के साथ दहन हो के खूबसूरत रंगों में बदल जाये।

## छोटी खबरें

### होली से पहले आबकारी-पुलिस की सख्त कार्रवाई, देसी व कंपोजिट शराब दुकानों का औचक निरीक्षण

जिला नजर संवाददाता

**फिरोजाबाद।** होली पर्व को दृष्टिगत रखते हुए आबकारी आयुक्त द्वारा चलाए जा रहे विशेष प्रवर्तन अभियान के तहत जनपद फिरोजाबाद में सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। रमेश रंजन (जिलाधिकारी, फिरोजाबाद) एवं सौरभ दीक्षित (वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, फिरोजाबाद) के आदेशानुपालन में तथा उप आबकारी आयुक्त (आगरा प्रभार) व जिला आबकारी अधिकारी, फिरोजाबाद के कुशल निर्देशन में यह कार्रवाई की गई। आज दिनांक 01-03-2026 को तेजस त्रिपाठी (पुलिस क्षेत्राधिकारी सदर) एवं एम.पी. सिंह (आबकारी निरीक्षक) ने स्टाफ व कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक तथा पुलिस बल के साथ तहसील फिरोजाबाद अंतर्गत देसी व कंपोजिट शराब दुकानों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान दुकानों में उपलब्ध शराब के स्टॉक की गणना कर रजिस्टर व अभिलेखों से मिलान किया गया। बोतलों एवं टेट्रा पैक पर लगे क्यूआर कोड स्कैन कर जांच की गई तथा सील की चेकिंग भी की गई, जो सही पाई गई। साथ ही दुकानों एवं परिसरों में स्वच्छता बनाए रखने के लिए सख्त निर्देश दिए गए। संयुक्त टीम ने लाइसेंस धारकों व विक्रेताओं को लाइसेंस की शर्तों एवं विभागीय नियमों का कड़ाई से पालन करते हुए ही शराब बिक्री करने की हिदायत दी। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि अभियान निरंतर जारी रहेगा और किसी भी प्रकार की अनियमितता पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

### कैंसर से पीड़ित युवक ने फांसी लगाकर दी जान

जिला नजर संवाददाता

**फिरोजाबाद।** थाना दक्षिण क्षेत्र के अशर्फी नगर हिमाऊपुर निवासी 35 वर्षीय रिंकू पुत्र गंगा राम ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि वह काफी समय से कैंसर की बीमारी से परेशान चल रहा था। परिजनों के अनुसार, लंबे समय से चल रहे इलाज और शारीरिक पीड़ा के कारण वह मानसिक रूप से भी काफी परेशान था। इसी तनाव के चलते उसने घर में फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। घटना की जानकारी मिलते ही थाना दक्षिण पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

# होली व रमजान को लेकर इगलास में पुलिस का फ्लैग मार्च

## शांति व्यवस्था के दिए कड़े संकेत, कोतवाली प्रभारी नरेन्द्र यादव के नेतृत्व में प्रमुख मार्गों पर पैदल गश्त, अराजक तत्वों को दी सख्त चेतावनी

जिला नजर संवाददाता

**इगलास/अलीगढ़।** इगलास नगर एवं आसपास के क्षेत्र में होली के महापर्व और रमजान के पावन महीने को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से इगलास पुलिस द्वारा व्यापक फ्लैग मार्च निकाला गया। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक नरेन्द्र यादव के नेतृत्व में पुलिस बल ने नगर के प्रमुख बाजारों और संवेदनशील मार्गों पर पैदल मार्च कर आमजन को सुरक्षा का भरोसा दिलाया।

फ्लैग मार्च के दौरान पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट संदेश दिया कि त्योहारों के अवसर पर किसी भी प्रकार की अफवाह, हुड़दंग या शांति व्यवस्था भंग करने की कोशिश को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अराजक तत्वों पर कड़ी निगरानी रखते हुए सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई। इस दौरान उपनिरीक्षक महीपाल सिंह, कमलेश कुमार, अर्जुन सिंह आंजना, कस्बा इंचार्ज

गंगाराम गंगवार, हेड कांस्टेबल जबर सिंह, ड्राइवर राज किशोर उपाध्याय सहित अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे। पुलिस प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि आपसी भाईचारे, सद्भाव और परंपराओं का सम्मान करते हुए त्योहारों को शांतिपूर्वक मनाएं।

### कैंटर की टक्कर से बाइक सवार की मौत

फिरोजाबाद के रसूलपुर में हादसा, चालक फरार

जिला नजर संवाददाता

**फिरोजाबाद।** जनपद के थाना रसूलपुर क्षेत्र में रविवार को एक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। यह घटना वरी चौराहे के पास हुई, जहां एक तेज रफ्तार कैंटर ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि युवक ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया।सूचना मिलते ही थाना रसूलपुर पुलिस मौके पर पहुंची। प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भिजवाया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त कैंटर को भी अपने कब्जे में ले लिया है।

# हुंकार सीजन 1 में गूंजी संस्कृति की आवाज प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र देकर किया सम्मानित

जिला नजर संवाददाता

**अलीगढ़।** समाजसेवी संस्था सनातन प्रतिभा फाउंडेशन - मेरी संस्कृति मेरी पहचान द्वारा सनातनी नववर्ष विक्रम संवत्सर 2083 की अग्रिम हुंकार के रूप में आयोजित निःशुल्क सांस्कृतिक कार्यक्रम हुंकार सीजन 1 के प्रतिभागियों एवं अतिथियों को सर्टिफिकेट वितरित कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम एस.आर.के. इंटरनेशनल स्कूल, निकट त्यागी हॉस्पिटल, सासनी गेट चौराहा, अलीगढ़ में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में नृत्य, गायन, मॉडलिंग, एक्टिंग, योग, ताइक्वांडो, श्लोक एवं कविता पाठ प्रतियोगिताएं तथा हरिनाम संकीर्तन जैसे विविध सांस्कृतिक आयोजन शामिल रहे, जिनमें बच्चों और

युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

आयोजक डबल ए ब्रदर्स अभिषेक सक्सैना सनातनी एवं आशु सिंघल ने प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर उन्होंने पर्सनैलिटी डेवलपमेंट एवं स्किल डेवलपमेंट से जुड़े महत्वपूर्ण सुझाव दिए तथा अभिभावकों को मोबाइल और तकनीक के सकारात्मक व संतुलित उपयोग के प्रति जागरूक किया।

कार्यक्रम में अध्यक्ष अभिषेक सक्सैना सनातनी, उपाध्यक्ष साक्षी सक्सैना व शिखर अग्रवाल, महासचिव आशु सिंघल, उपसचिव अंकित वार्ष्णेय, प्रधानाचार्य ललिता वार्ष्णेय सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे। संस्था ने भविष्य में भी ऐसे प्रतिभा प्रोत्साहन कार्यक्रम जारी रखने की घोषणा की।

बच्चों से सम्बन्धित सभी बीमारियों का समुचित इलाज
Dr. Tariq Ahsan Khan
M.B.B.S., MD (Pediatrics)
बस्ती लाइफ लाइन
नवजात शिशु से 18 वर्ष तक के बच्चों के लिए
जिला अस्पताल दक्षिण दरवाजा रोड-बस्ती
Ph.: 7080864645
निम्नलिखित लक्षणों का इलाज
✓ समय से पहले जन्म लेना
✓ कम वजन होना
✓ जन्म के समय गंदा पानी पीना
✓ जन्म के बाद झटका आना
✓ जन्म के समय न रोना
✓ जन्म के कुछ देर बाद कराहना
✓ सांस रोकना
✓ सांस न ले पाना
✓ बुखार आना
✓ पेशाब न करना
✓ शरीर पीला पड़ जाना
✓ पेट में सूजन होना
✓ खून का बहना
✓ दस्त आना

# पश्चिम एशिया में हमलों के बाद तेल कीमतों में तेज उछाल, वैश्विक आपूर्ति पर संकट गहराया

न्यूयॉर्क

पश्चिम एशिया में बढ़ते सैन्य तनाव ने वैश्विक ऊर्जा बाजार को झकझोर दिया है। अमेरिका और इस्राइल द्वारा ईरान पर हमलों तथा उसके जवाबी हमलों के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में जबरदस्त उछाल दर्ज किया गया। बाजार खुलते ही ट्रेडर्स ने आशंका जताई कि क्षेत्र से तेल आपूर्ति बाधित हो सकती है, जिससे कीमतों में और तेजी आ सकती है।

अमेरिका में उत्पादित हल्का और मीठा कच्चा तेल वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट लगभग 72 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया, जो शुक्रवार के 67 डॉलर के स्तर से करीब 8 प्रतिशत अधिक है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि हालात और बिगड़े

तो यह उछाल जारी रह सकता है। पश्चिम एशिया के तनाव का सबसे बड़ा असर होर्मुज जलडमरूमध्य पर दिख रहा है। यह संकरा समुद्री मार्ग फारस की खाड़ी का प्रवेश द्वार है, जहां से प्रतिदिन लगभग 1.5 करोड़ बैरल कच्चा तेल गुजरता है। यह वैश्विक तेल आपूर्ति का करीब 20 प्रतिशत हिस्सा है। इस मार्ग से सऊदी अरब, कुवैत, इराक, कतर, बहरीन, संयुक्त अरब अमीरात और ईरान का तेल और गैस विश्व बाजार तक पहुंचता है। हाल ही में इस मार्ग से गुजर रहे दो जहाजों पर हमले की खबर ने चिंता और बढ़ा दी है। विशेषज्ञों के अनुसार, यदि इस जलमार्ग में आवाजाही सीमित होती है तो कई देशों की निर्यात क्षमता प्रभावित होगी, जिससे वैश्विक स्तर पर पेट्रोल और डीजल की कीमतों में वृद्धि तय मानी जा रही है।

## OPEC+ ने उत्पादन बढ़ाने का किया ऐलान

तनाव के बीच राहत देने की कोशिश में OPEC+ समूह के आठ देशों ने कच्चे तेल का उत्पादन बढ़ाने की घोषणा की है। अप्रैल से 2,06,000 बैरल प्रतिदिन अतिरिक्त उत्पादन किया जाएगा। उत्पादन बढ़ाने वाले देशों में सऊदी अरब, रूस, इराक, यूएई, कुवैत, कजाखस्तान, अल्जीरिया और ओमान शामिल हैं। हालांकि ऊर्जा विश्लेषकों का कहना है कि केवल उत्पादन बढ़ाना पर्याप्त नहीं होगा, जब तक निर्यात मार्ग पूरी तरह सुरक्षित न हो जाएं।

## ईरान के निर्यात पर भी संकट

ईरान प्रतिदिन करीब 16 लाख बैरल तेल निर्यात करता है, जिसका बड़ा हिस्सा चीन को जाता है। यदि निर्यात बाधित होता है तो चीन जैसे बड़े आयातक देशों को वैकल्पिक स्रोत तलाशने पड़ सकते हैं, जिससे वैश्विक मांग और आपूर्ति का संतुलन बिगड़ सकता है। ऊर्जा विशेषज्ञों का मानना है कि इस पश्चिम एशिया तेल आपूर्ति संकट का असर केवल तेल बाजार तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था, महंगाई दर और शेयर बाजार पर भी दिखाई दे सकता है।

# प्रशिक्षण महाअभियान अंतर्गत एक दिवसीय कार्यशाला संपन्न

ब्यूरो चीफ मुहम्मद इसरार खान

**मुरैना/मप्र** । भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महा अभियान 2026 के अंतर्गत जिला स्तरीय कार्यशाला जिला मुरैना स्थित अग्रवाल सेवा सदन में संपन्न हुई। कार्यशाला को मध्य प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर चंबल संभाग प्रभारी डॉ अभय प्रताप सिंह सांसद शिवमंगल सिंह तोमर जिला प्रभारी राजू बाथम जिला अध्यक्ष कमलेश कुशवाह ने संबोधित किया। कार्यशाला का शुभारंभ भारत माता, पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ.श्यामाप्रसाद मुखर्जी के चित्रों पर माल्यार्पण एवं वंदे मातरम के साथ किया गया।

उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए पंच परिवर्तन विषय पर विधानसभा अध्यक्ष पूर्व केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि संगठन की कार्यपद्धति, उसके विकास एवं विस्तार, विचारधारा, सैद्धांतिक भूमिका, रीति-नीति और प्रत्येक कार्यकर्ता के दायित्वों पर मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण कार्यकर्ता को विचारधारा, संगठन की कार्यपद्धति और जिम्मेदारियों से परिचित कराता है। पंच परिवर्तन जिसका उद्देश्य समाज में व्यापक परिवर्तन लाना है जिसका लक्ष्य भारत को एक मजबूत,समृद्ध और आत्मनिर्भर राष्ट्र

बनाना है। पंच परिवर्तन के पांच मुख्य पहलू हैं जिसमे पहला सामाजिक समरसता दूसरा कुटुंब प्रबोधन तीसरा पर्यावरण संरक्षण चौथा स्वदेशी विषय पर कार्यकताओं को जागृत किया।यह महाअभियान पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के ह्यव्यक्ति निर्माण से संगठन निर्माण और संगठन निर्माण से राष्ट्र निर्माणह्व के सिद्धांत को आत्मसात करते हुए प्रधानमंत्री ,नरेंद्र मोदी के "विकसित भारत" के संकल्प को साकार करने हेतु संगठन को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी है भाजपा के वर्तमान कार्यकर्ता ही वही असली चेहरे होते हैं जो विचारधारा के लिए काम करते पार्टी के कार्यकताओं का प्रशिक्षण ही हमारे लिए सर्वोपरियों और प्रेरणादायक बनेगा ताकि पार्टी कार्यकताओं में एक दूसरे के प्रति और संगठन के प्रति भाग जागृत हो यह नए कार्यकताओं को दिशा, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता प्रदान करता। संगठन की शक्ति प्रशिक्षित और समर्पित कार्यकताओं से ही बढ़ती है। संगठन को सशक्त बनाने के लिए समन्वय और अनुशासन पर जोर दिया। सांसद शिवमंगल सिंह ने कहा कि भाजपा संगठन में प्रशिक्षण एक सतत प्रक्रिया है। इसका उद्देश्य कार्यकताओं को लगातार सीखने, आत्ममंथन करने और जनसेवा के प्रति सदैव समर्पित रहने के लिए प्रशिक्षित करना है। उन्होंने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद के सिद्धांत को कार्यकताओं के लिए प्रेरणा स्रोत बताते हुए कहा कि सेवा, समर्पण और समन्वय ही संगठन की वास्तविक शक्ति हैं। चंबल प्रभारी डॉ अभय प्रताप सिंह ने कहा प्रशिक्षण में बड़े-छोटे का भाव खत्म हो जाता है। यहां हम सभी को कुछ न कुछ सीखने को अवश्य मिलता है। विचारधारा, हमारी कार्यपद्धति, संगठन की संरचना को प्राप्त करने के लिए हमारे साधन हैं। कम समय में पद प्राप्त करने से

### प्रशिक्षण कार्यकर्ता के व्यक्तित्व निर्माण और विचारो की मजबूती के लिए आवश्यक है-नरेंद्र सिंह तोमर

अनुशासनहीनता का भाव झलकता है। जनसंघ से लेकर आज तक पार्टी ने जो संकल्प लिए उन्हें पूरा किया। जब जब सरकार हमारी बनी हमने अच्छे परिणाम दिए। हमारी नियति व नियत से आमजनता हमारे साथ जुड़ी। हमेशा नई तकनीकी व नवाचार का उपयोग करते रहे। यह प्रशिक्षण मण्डल व बूथ स्तर पर हमें सक्रियता से समय सीमा में संपन्न करना है जिले के सभी 31 मंडलों में 11 मार्च से 14 अप्रैल तक मंडलों व बूथ के प्रशिक्षण कार्यशालाएँ हमें सम्पन्न करना है।

जिला प्रभारी राजू बाथम ने कहा कि समृद्ध भारत की संकल्पना के लक्ष्य को प्राप्त करना हमारा उद्देश्य होना चाहिए। किसी भी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए संगठन की संरचना आवश्यक है। केंद्र व राज्य सरकार ने जनहितैषी योजनांए बना रखी है। हमारा कर्तव्य है कि हमें गांव मजरे टोले में अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक जानकारी देकर उन्हें योजनाओं की जानकारी देकर लाभान्वित करना है। कार्यक्रम का संचार महामंत्री सोनू परमार ने किया एवं आभार प्रशिक्षण प्रभारी महामंत्री महेंद्र सिंह यादव ने किया

## छोटी खबरें

### ईरान के हमलों पर ब्रिटेन-फ्रांस-जर्मनी सख्त, अमेरिका के साथ मिलकर जवाबी कार्रवाई की तैयारी

दुबई

ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी ने साफ कहा है कि वे अमेरिका के साथ मिलकर ईरान के जवाबी हमलों को रोकने के लिए तैयार हैं। इन तीनों देशों के नेताओं ने संयुक्त बयान जारी कर ईरान के हालिया हमलों पर गहरी नाराजगी जताई है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीएर स्टार्मर, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने कहा कि वे ईरान के लापरवाह हमलों से बेहद चिंतित हैं। उनका कहना है कि इन हमलों से क्षेत्र में मौजूद उनके सैनिकों और नागरिकों की जान खतरे में पड़ रही है। तीनों नेताओं ने अपने बयान में कहा कि वे अपने हितों और अपने सहयोगी देशों की सुरक्षा के लिए जरूरी और संतुलित कदम उठाने को तैयार हैं। उन्होंने संकेत दिया कि ईरान की मिसाइल और ड्रोन लॉन्च करने की क्षमता को उसी जगह पर नष्ट करने के लिए रक्षात्मक कार्रवाई की जा सकती है, जहां से ये हमले किए जा रहे हैं। यूरोपीय देशों ने यह भी कहा कि वे इस मुद्दे पर अमेरिका और क्षेत्र के अन्य सहयोगी देशों के साथ मिलकर काम करेंगे। इसका मतलब साफ है कि ईरान के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक मजबूत मोर्चा बन सकता है। इस बयान से यह साफ हो गया है कि पश्चिमी देशों का धैर्य अब जवाब दे रहा है और अगर ईरान ने हमले जारी रखे, तो उसे कड़ा जवाब मिल सकता है।

जिला नज़र

प्रबन्ध सम्पादक - राजीव शर्मा
समाचार सम्पादक - शंकर देव तिवारी

जिला नजर, हिन्दी दैनिक के लिए प्रकाशक सन्त कुमार द्वारा जिला नजर धिमिश्री, फतेहाबाद आगरा (उ.प्र.) 283125 से प्रकाशित एवं मुद्रक पवन पाठक द्वारा इम्प्रेशनस प्रिंटिंग & पैकेजिंग लिमिटेड, गुरु का ताल, सिकंदरा रोड, आगरा (उ.प्र.) से मुद्रित
संपादक : सन्त कुमार
फोन : 7534805152, 8057800800
Email: jilanazar@gmail.com
Website : www.jilanazar.in
R.N.I. No. UPHIN/25/A3912
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र आगरा न्यायालय होगा।

## छोटी खबरें

### कायस्थ वाहिनी अंतर्राष्ट्रीय के राष्ट्रीय सचिव - राकेश श्रीवास्तव मनोनीत

**बस्ती।** भगवान चित्रगुप्त को सर्वसमाज में स्थापित करने के उद्देश्य से निरन्तर गतिशील सामाजिक संगठन कायस्थ वाहिनी अंतर्राष्ट्रीय ने अपने राजनीतिक प्रकोष्ठ का विस्तार करते हुए राष्ट्रीय सचिव मनोनीत किया । हिन्दू युवा वाहिनी के उत्तर प्रदेश अध्यक्ष ईमानदार , स्पस्ट वक्त और प्रयासरत राकेश श्रीवास्तव को उनके पिछले कार्यप्रणाली को ध्यान रख राष्ट्रीय कार्यकारिणी ने यह निर्णय लिया । राष्ट्रीय कार्यकारिणी को अपने विचार रखते हुए राकेश श्रीवास्तव ने कहा संगठन प्रमुख आदरणीय पंकज भईया कायस्थ के विचारों और संगठन के उद्देश्य को अब भारत के प्रत्येक कायस्थ तक पहुचाना हमारा प्रथम कर्तव्य होगा । न्यवनयुक्त प्राष्ट्रीय सचिव (राजनीतिक प्रकोष्ठ) को पूरे पदेश के भिन्न भिन्न जनपदों से बधाई का तांता लगा है - मुख्य रूप से प्रवीण श्रीवास्तव , साधना श्रीवास्तव , विवेक श्रीवास्तव , अभिजीत सिन्हा , ऋषि भटनागर , आशुतोष निगम , शैरभ कुलश्रेष्ठ , शुभम कुलश्रेष्ठ , गौरव श्रीवास्तव , आशिष सक्सेना , रवि खरे , आदर्श श्रीवास्तव , तरुण श्रीवास्तव , रवि शंकर , मुकेश श्रीवास्तव , प्रमोद श्रीवास्तव , रणविजउ सिंह , रणधीर सिंह , संजय माथुर , आशीष वर्मा , सचिन श्रीवास्तव सहित पूरे भारत के पदाधिकारियों की बधाई निरन्तर जारी है ।

### यूपीः होली से पहले प्रदेश में चढ़ा पारा

लखनऊ

उत्तर प्रदेश में मार्च की शुरूआत के साथ ही गर्मी ने औपचारिक दस्तक दे दी है। महीने के पहले ही दिन इसके स्पष्ट संकेत दिखने लगे। दोपहर में तेज और चिलचिलाती धूप ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है और सड़कों पर निकलना मुश्किल हो गया है। रविवार को प्रदेश के 25 से अधिक जिलों में अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया। बांदा और हमीरपुर में अधिकतम तापमान 34.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जिससे ये प्रदेश के सबसे गर्म जिले रहे। वाराणसी में 33.8 और आगरा में 33.6 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया। करीब 30 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही रूखी पछुआ हवाओं ने मौसम को और शुष्क बना दिया है। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में पछुआ हवाओं की गति और तेज हो सकती है।

# यूपीः ईरान संकट के चलते लखनऊ से खाड़ी के देशों की सभी फ्लाइट हुई रद्द, एक दिन में रद्द हुई 2500 टिकट

लखनऊ

अमेरिका व इस्राइल की ओर से ईरान पर किए गए हमले के बाद खाड़ी देशों से लखनऊ का एयर नेटवर्क पूरी तरह कट गया है। दुबई व ईरान का एयरस्पेस बंद होने से विमानों का संचालन ठप हो गया है, जिससे लखनऊवासी खाड़ी देशों में फंसे हैं। रविवार को खाड़ी देशों को आने-जाने वाली 17 उड़ानों को निरस्त कर दिया गया। इसमें दम्माम, रियाद, आबूधाबी, शारजाह आदि एयरपोर्टों की उड़ानें शामिल हैं। आलम यह रहा कि रविवार को लखनऊ से इन देशों के लिए एक भी उड़ान रवाना नहीं हो सकी। इतना ही नहीं करीब ढाई हजार यात्रियों को अपने टिकट निरस्त करने पड़े।

चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर रविवार को अलग ही नजारा देखने को मिला। नए टर्मिनल टी थ्री पर जहां से इंटरनेशनल उड़ानों का संचालन होता है,

वह पूरी तरह खाली नजर आया। लखनऊ से खाड़ी देशों मस्कट, अबुधाबी, शारजाह, दम्माम, रियाद, दुबई को जाने के लिए यात्री नहीं थे। न ही इन देशों से विमान लखनऊ आ रहे थे। ईरान व दुबई का एयरस्पेस बंद होने से विमानों का संचालन पूरी तरह से बंद कर दिया गया है। इसके चलते लखनऊ से खाड़ी देशों को जाने वाली नौ उड़ानों को निरस्त करना पड़ा। जबकि खाड़ी देशों से आने वाली आठ उड़ानें संचालित नहीं हुई। लखनऊ से बड़ी संख्या में रोजगार के लिए बहराइच, गोंडा, सुलतानपुर, बलरामपुर सहित आसपास के कई जिलों के लोग दुबई, सऊदी अरब सहित कई देशों को जाते हैं।

#### 2500 टिकट हुए कैंसिल, आठ मार्च के बाद जारी होंगे टिकट

लखनऊ से खाड़ी देशों को जाने वाले विमानों के ढाई हजार टिकट रविवार को निरस्त किए गए। इसमें मस्कट, दुबई, आबूधाबी, दम्माम, रियाद आदि के विमानों के टिकट शामिल रहे। हालांकि एयरलाइनों की ओर से यात्रियों को जानकारी दी गई कि अभी हालात सामान्य नहीं हैं। ऐसे में आठ मार्च के बाद ही यात्रियों को एयर टिकट जारी किए जाएंगे।

#### पूछताछ काउंटरों पर उमड़ी भीड़

लखनऊ एयरपोर्ट पर एयरलाइन कंपनियों के काउंटरों पर रविवार को भीड़ नजर आई। इसमें जिन यात्रियों की रविवार व आने वाले दिनों में फ्लाइट थे, वे परेशान नजर आए। एयरलाइन कंपनियों ने यात्रियों के लिए एडवाइजरी जारी की है। बावजूद इसके जो लोग खाड़ी देशों में फंसे हुए हैं, उनके परिजन एयरपोर्ट पर पूछताछ काउंटरों तक पहुंचे। उनके सवालों के जवाब एयरलाइन प्रतिनिधियों ने दिए। लखनऊ से खाड़ी देशों को ऐसे लोग भी गए, जो कामकाज या घूमने के सिलसिले में गए थे। अचानक एयरस्पेस बंद होने से उनके सामने लौटने का संकट खड़ा हो गया है। ऐसे में लोग उन ट्रेवेल एजेंटों से भी मदद मांग रहे हैं, जिनसे उन्होंने टिकट बुक करवाए हैं। एयरवॉक ट्रेवेल एजेंसी के आतिफ ने बताया कि खाड़ी देशों में कई ऐसे लोग भी फंसे हुए हैं, जो दो से तीन दिन के लिए गए हुए थे और उन्हें गत दिवस वापस लौटना था।

# राजस्थान के डिस्टर्ब्ड एरिया बिल पर राजनीति

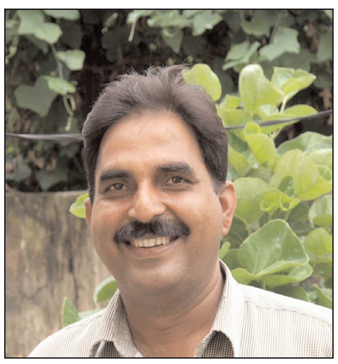

संजय सक्सेना, लखनऊ
वरिष्ठ पत्रकार

राजस्थान की राजनीति इन दिनों प्रस्तावित डिस्टर्ब्ड एरिया बिल-2026 को लेकर गरमाई हुई है। यह महज एक विधायी पहल नहीं, बल्कि सामाजिक संतुलन, संपत्ति के अधिकार और कानून-व्यवस्था से जुड़ा संवेदनशील प्रश्न बन चुका है। राज्य सरकार इसे सांप्रदायिक तनाव, कथित जबरन पलायन और जनसंख्या असंतुलन जैसी स्थितियों से निपटने का एहतियाती कदम बता रही है, जबकि विपक्ष इसे भय और प्रशासनिक दुरुपयोग का द्वार मान रहा है।

पिछले कुछ वर्षों में राज्य के कुछ इलाकों में सामुदायिक तनाव के बाद एक वर्ग विशेष के लोगों द्वारा संपत्ति औने-पौने दामों पर बेचकर क्षेत्र छोड़ने की घटनाएँ चर्चा में रही हैं। सरकार का तर्क है कि यदि दबाव, धमकी या असुरक्षा के वातावरण में संपत्ति का लेन-देन होता है, तो वह न केवल पीड़ित परिवारों को कमजोर करता है, बल्कि क्षेत्रीय असंतुलन और भविष्य के टकराव की जमीन भी तैयार करता है। प्रस्तावित कानून ऐसे ही लेन-देन पर नियंत्रण की व्यवस्था करता है। बिल के अनुसार राज्य सरकार को यह अधिकार होगा कि वह किसी भी क्षेत्र को सीमित अवधि के लिए अशांत क्षेत्र घोषित कर सके। इस अवधि में अचल संपत्ति की खरीद-फरोख्त सक्षम प्राधिकारी की अनुमति के बिना संभव नहीं होगी। अनुमति तभी मिलेगी जब यह सुनिश्चित हो कि सौदा स्वेच्छा से, बाजार मूल्य पर और बिना किसी दबाव के हो रहा है। किरायेदारों की सुरक्षा और बेदखली से बचाव का भी प्रावधान प्रस्तावित है।

सबसे अधिक बहस अनुचित जमावड़ा की अवधारणा पर है। मसौदे में कहा गया है कि यदि किसी क्षेत्र में किसी एक समुदाय का ऐसा संकेंद्रण हो जो दबाव, भय या असामान्य परिस्थितियों का परिणाम हो और जिससे सार्वजनिक व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका हो, तो सरकार हस्तक्षेप कर सकती है। सरकार इसे संभावित तनाव रोकने की पूर्व-व्यवस्था बताती है, जबकि विपक्ष इसे अस्पष्ट और विवादास्पद मानता है। सत्तारूढ़ भाजपा सरकार का कहना है कि मौजूदा कानून पर्याप्त नहीं हैं और कुछ क्षेत्रों में जनसंख्या संरचना में तेज बदलाव के बाद तनाव बढ़ा है। कानून मंत्री का तर्क है कि हिंसा या दंगों के बाद मजबूरी में संपत्ति बेचने की घटनाएँ सामने आई हैं, जिन्हें रोकना आवश्यक है। दूसरी ओर, कांग्रेस इसे सत्ता का दुरुपयोग करार दे रही है। विपक्ष का आरोप है कि अशांत क्षेत्र घोषित करने की प्रक्रिया पारदर्शी नहीं होगी और इससे प्रशासन को मनमानी का अवसर मिलेगा।

सरकार का दावा है कि कानून में स्पष्ट समय-सीमा तय की गई है। किसी क्षेत्र को अधिकतम तीन वर्ष या अधिसूचना में निर्दिष्ट अवधि तक ही अशांत रखा जा सकेगा। शिकायतों की जांच के लिए विशेष दल गठित होगा, जिसमें प्रशासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे। इससे एकतरफा निर्णयों की संभावना कम करने का प्रयास बताया जा रहा है।

ऐसे कानूनों का इतिहास नया नहीं है। 1983 में पंजाब में उग्रवाद के दौरान अशांत क्षेत्र संबंधी प्रावधान लागू हुए थे। गुजरात में भी 1991 से समान प्रकृति के कानून मौजूद हैं। असम ने भी भूमि लेन-देन पर दिशा-निर्देश जारी किए थे। हालांकि समय-समय पर इन प्रावधानों की समीक्षा होती रही है और सामान्य स्थिति लौटने पर उन्हें हटाया भी गया है। कानून के सख्त दंडात्मक प्रावधान भी विवाद का कारण हैं। नियमों के विरुद्ध संपत्ति लेन-देन करने पर तीन से पांच वर्ष तक की सजा और जुर्माने का प्रस्ताव है। सभी अपराधों को संज्ञेय और गैर-जमानती बनाए जाने की बात कही गई है। समर्थकों का कहना है कि कठोर दंड के बिना अवैध लेन-देन पर रोक संभव नहीं, जबकि आलोचकों को आशंका है कि आम नागरिक अनावश्यक परेशान हो सकते हैं।

राजस्थान में यह बहस अब केवल विधानसभा तक सीमित नहीं है। विधि विशेषज्ञ, सामाजिक संगठनों और प्रशासनिक हलकों में भी इस पर मतभेद हैं। प्रश्न यह है कि क्या यह कानून सामाजिक संतुलन और सुरक्षा सुनिश्चित करेगा, या फिर अविश्वास और टकराव की नई रेखाएँ खींचेगा। आने वाले समय में स्पष्ट होगा कि यह विधेयक कानून बनकर किस दिशा में जाता है और राज्य की सामाजिक संरचना पर उसका क्या प्रभाव पड़ता है।

# होलिका दहन, चंद्र ग्रहण, धुलेंडी रंगोत्सव, कब है जाने सही शुभ मुहूर्त

वहीं इस साल होली के त्योहार को लेकर इस बार बहुत ही बड़ा भ्रम, असमंजस बना हुआ है। ज्योतिषाचार्य राजकिशोर शर्मा के अनुसार इसके पीछे का कारण पूर्णिमा तिथि का 2 और 3 मार्च को होना और चंद्रग्रहण, भद्रा है। वहीं इस साल होली पर 500 साल बाद शुक्र ग्रह मालव्य महापुरुष राजयोग बन रहा है। वहीं सूर्य और शुक्र के संयोग से शुक्रादित्य राजयोग बन रहा है। साथ ही सूर्य, बुध, मंगल और राहु का योग बन रहा है। जिससे होली पर्व का महत्व और भी बढ़ गया है।

## होलिका दहन का शुभ मुहूर्त

पूर्णिमा तिथि 2026 की शुरूआत शाम में 5 बजकर 56 मिनट पर हो रही है और 3 तारीख को पूर्णिमा तिथि शाम में 5 बजकर 8 मिनट पर समाप्त हो जाएगी।

पंचांग के अनुसार 2 मार्च को भद्रा पूरे दिन रहेंगी और भद्रा में होलिका दहन नहीं करना चाहिए।

"भद्रा द्वये न कर्तव्यम् श्रावणी फाल्गुनी तथा"

"श्रावणी राजन्य हन्ती च ग्राम दहति फाल्गुनी"

कहते हैं जब पृथ्वी लोक पर भद्रा रहती है उसका अशुभ प्रभाव रहता है जिससे गांव,नगर,शहर,राष्ट्र के लिए अशुभ अनिष्टकारी परिणाम बताए गए हैं अतः भद्रा समाप्ति के पश्चात और सूर्योदय से पूर्व होलिका दहन कर सकते 3 मार्च को सुबह 5:29 से 6:14 के बीच होलिका दहन कर सकते हैं।

किंतु सभी धर्म ग्रंथो,निर्णय सिंधु,धर्म सिंधु के अनुसार सा प्रदोष व्यापिनी भद्रा रहित ग्राह्या अथार्थ प्रदोष काल व्यापिनी पूर्णिमा के दिन भद्रा रहित काल में होलिका दहन किया जाता है किंतु पूर्णिमा की अवधि में ऐसी स्थिति नहीं बन पा रही है अतः 2 मार्च को भद्रामुख/पुच्छ का विचार न कर- के भद्रा में ही प्रदोष काल में होलिका दहन करना शास्त्र सम्मत श्रेयस्कर और उत्तम रहेगा

## होलिका दहन का सबसे उत्तम और शुभ मुहूर्त

2 मार्च सोमवार शाम को 6:22 से रात्रि 8:53 तक

## कब खेला जाएगा रंग

ज्योतिषाचार्य राजकिशोर शर्मा के अनुसार रंगोत्सव का पर्व भारतीय संस्कृति में आस्था श्रद्धा उल्लास की परंपराओं का पर्व है जो होलिका दहन के दूसरे दिन मनाया जाता है। किंतु 3 मार्च की शाम चंद्रग्रहण पड़ रहा है। ज्योतिष के अनुसार ग्रहण से लगभग नौ घंटे पहले सूतक काल शुरू हो जाते हैं। वहीं सूतक के दौरान शुभ और मांगलिक कार्यों से परहेज किया जाता है। इसी कारण 3 मार्च को रंगोत्सव न मनाकर 4 मार्च को होली खेलना शास्त्र सम्मत रहेगा,

## होलिका दहन की पूजा विधि

सुबह स्नान कर व्रत का संकल्प लें।

शाम को होलिका की विधि-विधान से पूजा करें।

रोली, गेहूं की बालियां, हरे चने,पान, सुपारी, अक्षत, कपूर, बताशा,गेरी गोला, कलावा, गोबर के उपले,पीली सरसों,खीर पूरी का भोग लगाकर अग्नि में अर्पित कर मंगल कामना करें मान्यता है अग्नि में अर्पित की गई वस्तुयें समस्त कष्ट दुखः,वाधा, परेशानी, रोगों को दूर कर सुख, शांति, समृद्धि, संपदा धन-धान्य से परिपूर्ण कर जीवन को आनंद से भर देती हैं, और ऊँ नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र का जाप करते हुए होलिका की परिक्रमा करने से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और वास्तु दोष भी कम हो जाता है जिससे जीवन खुशहाल हो जाता है। 18 साल बाद बनेगा शुक्र और राहु का खास योग।

## होली का धार्मिक महत्व

होली का पर्व बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। पौराणिक कथा के अनुसार भक्त प्रह्लाद की भक्ति और भगवान विष्णु की कृपा से होलिका दहन हुआ था। साथ ही यह रंगों का त्यौहार आपसी मनमुटाव भुलाकर भाईचारे समानता और एकता को बढ़ावा देता है, जहां पुराने गिले-शिकवे भूलकर लोग एक-दूसरे को गुलाल लगाते हैं।

## होली का महत्व

धार्मिक परंपराओं के अनुसार, पूर्णिमा की रात होलिका दहन के अगले दिन होली खेली जाती है। लेकिन इस वर्ष पूर्णिमा तिथि 3 मार्च को चंद्र ग्रहण है जिस वजह से 4 मार्च, बुधवार को ही देशभर में रंगों की होली खेली जाएगी। होलिका के चारों ओर परिक्रमा करें। सही मुहूर्त में ही होलिका दहन करें। अग्नि को प्रणाम करके घर-परिवार की मंगल कामना करें। होलिका की राख को अगले दिन तिलक के रूप में लगाना शुभ माना जाता है।

**ज्योतिषाचार्य राजकिशोर "शर्मा राज गुरुजी महाराज" महर्षि आश्रम "विन्ध्याचल धाम" मो-9417335633-7756931233**

## भद्रा में होलिका दहन होता है वर्जित

पुराणों के अनुसार, भद्रा सूर्य देव की पुत्री और शनिदेव की बहन मानी जाती हैं। जब भद्रा पृथ्वी लोक में होती हैं, तो उस समय शुभ कार्य करने से बचने की परंपरा है। मान्यता है कि भद्रा काल में किए गए मांगलिक कार्यों से विघ्न और अशुभ परिणाम मिल सकते हैं। इसी कारण से विवाह, गृह प्रवेश, मुंडन जैसे शुभ कार्यों के साथ-साथ होलिका दहन भी भद्रा में नहीं किया जाता। इस वर्ष चूंकि भद्रा पूरी रात रहेगी, इसलिए केवल प्रदोष काल में ही होलिका दहन करना शास्त्रसम्मत माना गया है। पंचांग के अनुसार 3 मार्च को शाम 5 बजकर 8 मिनट तक पूर्णिमा तिथि रहेगी, लेकिन इस बार इसी समय चंद्र ग्रहण का साया भी बना हुआ है। चंद्र ग्रहण दोपहर में 3 बजकर 20 मिनट से शुरू हो जाएगा। साथ ही यह भारत में भी नजर आएगा। जिसके चलते सूतक काल 9 घंटा पूर्व से मान्य होगा। वहीं, रंग खेलने वाली होली यानी धुलेंडी चैत्र महीने की कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि को मनाई जाती है। ऐसे में इस साल रंगोत्सव 4 मार्च को मनाया जाएगा।